# UPSC Daily Current Affairs 18 AUG 2021

## कोलोराडो नदी

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)**

### खबरों में क्यों है?

- हाल में पहली बार US में संघीय सरकार ने एक ऐतिहासिक सूखे की वजह से कोलोराडो नदी बेसिन के लिए जल की कमी की घोषणा की है। इसकी वजह से अक्टूबर 2021 की शुरुआत से कुछ दक्षिण-पश्चिमी राज्यों में जल की कटौती होगी।

### कोलोराडो नदी के बारे में जानकारी

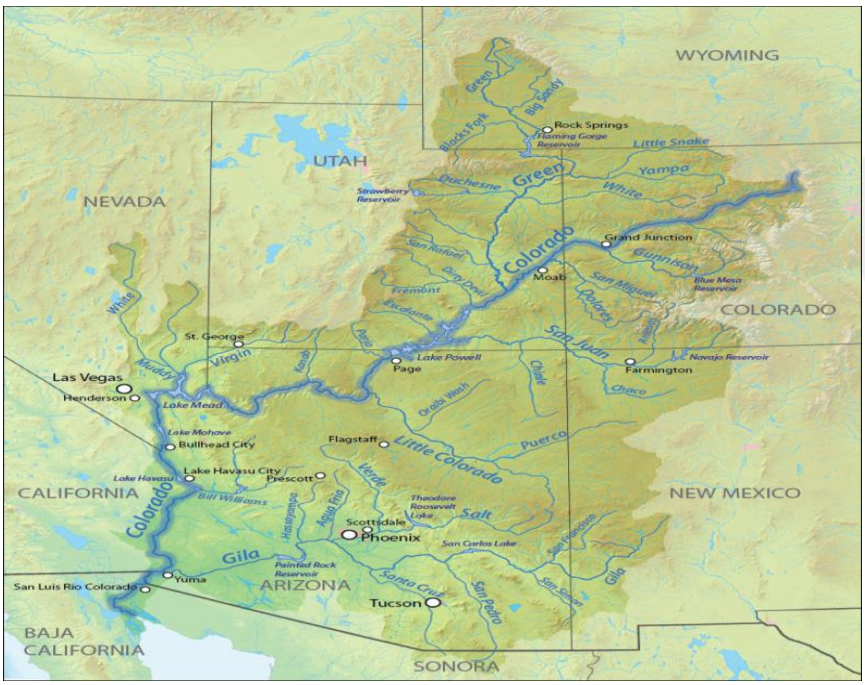


- यह उत्तर अमेरिका की प्रमुख नदी है, जिसका उद्गम संयुक्त राज्य अमेरिका के कोलोराडो के रॉकी पर्वतों में होता है।
- सामान्य तौर पर यह उत्तर-पश्चिमी मैक्सिको में कैलीफोर्निया की खाड़ी में पश्चिम और दक्षिण की ओर बहती है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

- इसका जलनिकासी बेसिन 246,000 वर्ग मील (637,000 वर्ग किमी.) कवर करता है और अपने में सात राज्यों- व्योमिंग, कोलोराडो, उटाह, न्यू मैक्सिको, नेवादा, अरिज़ोना और कैलीफोर्निया के हिस्सों को शामिल करता है।
- **यह नदी संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य अरिज़ोना और मैक्सिको के बीच में अंतरराष्ट्रीय सीमा को निर्मित करती है।**
- यह नदी उत्तर अमेरिकी महाद्वीप के एक विशाल बंजर और अर्धबंजर क्षेत्र में बहती है, और इसके सघन विकास की वजह से इसे अक्सर **"दक्षिण-पश्चिम की जीवनरेखा"** कहा जाता है।

## तालिबान के काबुल में होने का नई दिल्ली के लिए अर्थ

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)**

- हाल में, हाल के इतिहास में दूसरी बार भारतीय दूतावास स्टाफ ने अफगानिस्तान को छोड़ दिया।

### खबरों में और भी है

- जैसे-जैसे तालिबान पूरे अफगानिस्तान में सैन्य आक्रमकता के साथ आगे बढ़ रहा है और US व NATO बलों द्वारा वहां से निकलने के बाद कब्जा करने की तैयारी कर रहा है, भारत ऐसी स्थिति का सामना कर रहा है जिसमें उसकी इस देश में कोई भूमिका नहीं हो सकती है।
- यह लगभग 20 वर्षों के संबंध के पुनर्निर्माण का उलटना होगा जो शताब्दियों पूर्व से कायम हैं। अफगानिस्तान क्षेत्र में भारत के रणनीतिक हितों के लिए महत्वपूर्ण है।

### भारत का अफगानिस्तान में निवेश

### पूरे देश में परियोजनाएं

- भारत ने अफगानिस्तान के सभी 34 प्रांतों में 400 से ज्यादा परियोजनाएं पूरी की हैं।
- कुछ परियोजनाएं हैं**:** सलमा बांध**,** ज़ारांज-डेलाराम राजमार्ग**,** अफगान संसद**,** स्टोर महल**,** विद्युत अवसंरचना जैसे 220 Kv DC संप्रेषण लाइन जो बघलान प्रांत की राजधानी पुल-ए-खुमरी से काबुल के उत्तर तक है**,** बच्चों के एक अस्पताल का पुनर्निर्माण किया**,** मुफ्त सलाह शिविर**,** कंधार में अफगानिस्तान राष्ट्रीय कृषीय विज्ञान एवं तकनीक विश्वविद्यालय (ANASTU), नागरिक और सैन्य परिवहन वाहन उपहार में दिए**,** भारत ने आगा खान विरासत परियोजना को $1 मिलियन का वायदा किया है और कई अन्य परियोजनाएं चल रही हैं।

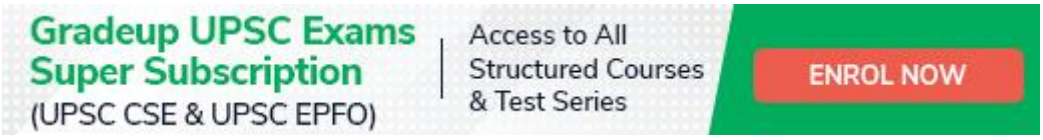

- इन परियोजनाओं का भविष्य अब अधर में है।

**भारत की चिंता:**

- भारत अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को तालिबान द्वारा फिर से समर्थन और भारत की ओर पाकिस्तान द्वारा जिहादी समूहों को किए जाने के बारे में चिंतित है।
- तालिबान को अपनी धार्मिक विचारधारा को राज्य के हितों के साथ संतुलित करने में काफी परेशानी होगी क्योंकि यह एक चरमपंथी समूह है।
- भारत को इंतजार करने और यह देखने की जरूरत होगी कि कैसे तालिबान इसे करता है।
- भारत को आंतक के लिए तैयार रहना होगा लेकिन 1990 के दशक के विपरीत भारत को अब पूरी ताकत के साथ पलटवार करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

## भारत नेट कार्यक्रम

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)**

**खबरों में क्यों है?**

- केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्यमंत्री ने हाल में कहा कि देश के छह लाख गांव 2024 तक भारत नेट कार्यक्रम के तहत इंटरनेट कनेक्टीविटी हासिल कर लेंगे।

**भारतनेट कार्यक्रम के बारे में जानकारी**

- यह एक फ्लैगशिप मिशन है जिसका क्रियान्वयन भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लि. (BBNL) द्वारा किया जा रहा है।
- इस कार्यक्रम का लक्ष्य सभी ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाना है।
- यह एक विशेष उद्देश्य वाला वाहन (SPV) है जिसे कंपनी कानून, 1956 के अंतर्गत भारत सरकार ने गठित किया है।

**नोडल क्रियान्वयन करने वाली एजेंसी**

- इसका क्रियान्वयन संचार मंत्रालय के अंतर्गत दूरसंचार विभाग ने किया है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

- पूरी परियोजना का वित्तीयन सार्वभौमिक सेवा दायित्व कोष (USOF) द्वारा किया जा रहा है जिसका गठन ग्रामीण और देश के दूर-दराज इलाकों में दूरसंचार सेवाओं को सुधारने के लिए किया गया था।

**क्रियान्वयन:**

**a.** यह परियोजना एक केंद्र-राज्य सहयोगी परियोजना है, जिसमें राज्य ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क की स्थापना के लिए मुफ्त मार्ग के अधिकार का योगदान दे रहे हैं। यह परियोजना 2023 तक तीन चरणों में क्रियान्वित की जाएगी।

**भारतनेट PPP मॉडल निम्नलिखित उपभोक्ता हितैषी लाभ देगा:**

- उपभोक्ताओं के लिए निजी क्षेत्र प्रदाता द्वारा नवाचार तकनीक का प्रयोग;
- उपभोक्ताओं को सेवा और सेवा स्तर की उच्च गुणवत्ता;
- नेटवर्क का तेजी से निर्माण और उपभोक्ताओं को तेजी से कनेक्टीविटी;
- सेवाओं के लिए प्रतियोगी शुल्क;
- उच्च गति ब्रॉडबैंड पर सेवाओं के प्रकार जिसमें उपभोक्ताओं की दिए गए पैकेजों के हिस्से के रूप में ओवर द टॉप (OTT) सेवाएं और मल्टी मीडिया सेवाएं, और
- सभी ऑनलाइन सेवाओं तक पहुँच।

**महत्व**

- केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दी गई सेवाओं तक बेहतर पहुँच।
- यह ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन, कौशल विकास, ई-कॉमर्स और ब्रॉडबैंड के अन्य अनुप्रयोगों को सक्षम बनाएगा।
- **व्यक्तियों और संस्थानों के ब्रॉडबैंड कनेक्शनों, डार्क फाइबर की बिक्री, मोबाइल टावरों के फाइबराइजेशन**, ई-कॉमर्स इत्यादि से राजस्व उत्पादन।

**संबंधित सूचना**

**डार्क फाइबर के बारे में जानकारी**

- यह बिना प्रयोग किया हुआ ऑप्टिकल फाइबर है जिसे बिछा दिया गया है लेकिन फिलहाल इसका प्रयोग फाइबर-ऑप्टिक संचारों में नहीं किया जा रहा है। क्योंकि फाइबर-ऑप्टिक केबिल

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

प्रकाश के स्पंदनों के रूप में सूचना को संप्रेषित करता है, इसलिए किसी 'डार्क' केबिल से आशय ऐसे केबिल से है जिसमें प्रकाश स्पंदन संप्रेषित नहीं किये जा रहे हैं।

- ज्यादा बैंडविद्थ की जरूरत होने पर कंपनियां लागत पुनरावृत्ति से बचने के लिए अतिरिक्त ऑप्टिकल फाइबरों को बिछा देती हैं।
- **इसे अनलिट फाइबर भी कहा जाता है।**

## जीन बैंक

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत -PIB)**

### खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री ने हाल में पूसा, नई दिल्ली में राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (NBPGR) में दुनिया के दूसरे सबसे बड़े पुनर्संज्जित अत्याधुनिक राष्ट्रीय जीन बैंक का उद्घाटन किया।

### राष्ट्रीय जीन बैंक के बारे में जानकारी

- राष्ट्रीय जीन बैंक की स्थापना वर्ष 1996 में भविष्य की पीढ़ियों के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों (PGR) के बीजों के संरक्षण के लिए की गई थी।
- यह बीजों के रूप में लगभग एक मिलियन जननद्रव्य (जर्मप्लाज्म) का संरक्षण कर सकता है।
- वर्तमान में यह 4.52 लाख जननद्रव्यों का संरक्षण कर रहा है, जिसमें से 2.7 लाख भारतीय जननद्रव्य हैं और बाकियों को अन्य देशों से आयात किया गया है।

### संबंधित सूचना

### राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो के बारे में जानकारी

- राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (NBPGR) **पादप आनुवंशिक संसाधनों (PGR) के प्रबंधन के लिए भारत में एक नोडल संगठन है।**
- NBPGR का क्षेत्र और बागवानी फसलों के सक्रिय जननद्रव्य के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय सक्रिय जननद्रव स्थलों (NAGS) के साथ जुड़ाव है।

### शासनादेश

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

- खाद्य एवं कृषि के लिए देशी और विदेशी पादप आनुवंशिक संसाधनों के अधिग्रहण और प्रबंधन के वास्ते राष्ट्रीय स्तर पर नोडल संस्थान के रूप में कार्य करना। साथ ही यह कृषि के सतत वृद्धि के लिए मानव संसाधन विकास और संबंधित शोध भी करता है।

**संबंधित शब्दावली**

**जननद्रव्य**

- यह विभिन्न पादप में उपस्थित सभी जींस के लिए जीवित सूचना स्रोत का कार्य करता है, जिन्हें लंबी अवधि के लिए संरक्षित किया जा सकता है और भविष्य में जरूरत होने पर पुनर्जीवित किया जा सकता है।

**एक्स सिटू संरक्षण**

- यह क्षेत्रों का उनके प्राकृतिक आवास के बाहर संरक्षण है।
- उदाहरण: वनस्पति उद्यान, प्राणिजगत पार्क, बीज बैंक, जैविक ऊतक का संरक्षण, क्षेत्र जीन बैंक इत्यादि।

## RBI ने वित्तीय समावेशन सूचकांक का अनावरण किया

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)**

**खबरों में क्यों है?**

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने हाल में पूरे देश में वित्तीय समावेशन के दायरे को पकड़ने के लिए एक संयुक्त वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-Index) के गठन की घोषणा की।

**वित्तीय समावेशन सूचकांक के बारे में जानकारी**

- यह एक समग्र सूचकांक है जो अपने में बैंकिंग के विवरण, निवेश, बीमा, सरकार और विभिन्न क्षेत्रीय विनियामकों के साथ सलाह में डाक साथ ही साथ पेंशन क्षेत्र को शामिल करता है।

**मानदंड**

- FI-Index में तीन मोटे मानदंड (भार कोष्ठक में इंगित किये गए हैं) शामिल हैं अर्थात, पहुँच (35%), प्रयोग (45%) और गुणवत्ता (20%)। इनमें से प्रत्येक विभिन्न आयामों से मिलकर बना है जिनकी गणना संसूचकों की संख्या पर आधारित है।

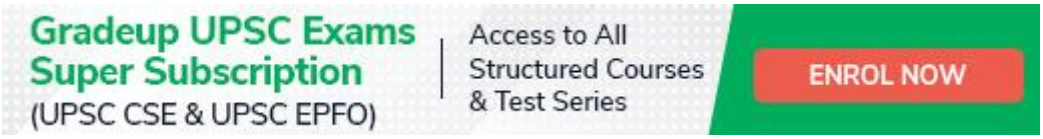

**पैमाना**

- यह सूचकांक वित्तीय समावेश के विभिन्न पहलुओं पर सूचना को एक एकल मान में पकड़ता है जिसकी सीमा 0 से 100 के बीच होती है, जहां 0 संपूर्ण वित्तीय अलगाव को निरुपित करता है और 100 संपूर्ण वित्तीय समावेशन को निरुपित करता है।

**विशेषताएं**

- इस सूचकांक की विशिष्ट विशेषता यह है कि इसमें एक गुणवत्ता वाला मानदंड है जो वित्तीय समावेशन के गुणवत्ता वाले पहलू को पकड़ता है।
- इसका परिलक्षण वित्तीय साक्षरता, उपभोक्ता संरक्षण, और सेवाओं में असमानताओं एवं कमियों में हो सकता है।
- यह सूचकांक सभी 97 संसूचकों में पहुँच तक सुगमता, सेवाओं की उपलब्धता और प्रयोग एवं सेवाओं की गुणवत्ता के प्रति उत्तरदायी है।

**बिना आधार वर्ष के**

- **FI-Index का निर्माण बिना आधार वर्ष के किया गया है,** जिससे यह वित्तीय समावेशन पर वर्षों के दौरान प्रत्येक हितधारक के संचयी प्रयासों को सटीक तरीके से परिलक्षति कर सके।
- **इस सूचकांक का प्रकाशन वार्षिक रूप से जुलाई में किया जाएगा।**

## रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत-PIB)**

**खबरों में क्यों है?**

- रक्षा मंत्रालय (MoD) ने हाल में निजी उद्योग के साथ साझेदारी में अत्याधुनिक परीक्षण अवसंरचना के सृजन के लिए **रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना** (DTIS) के अंतर्गत रु. 400 करोड़ उपलब्ध कराए हैं।

**रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना के बारे में जानकारी**

- इस योजना की शुरुआत 8 मई, 2020 को रक्षा मंत्री ने की थी।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

**उद्देश्य**

- इस योजना का लक्ष्य देशी रक्षा उत्पादन को प्रोत्साहित करना है जिसमें देश में रक्षा परीक्षण अवसंरचना में अंतरालों को पाटकर MSMEs और स्टार्टअप्स की साझेदारी पर विशेष ध्यान देना होगा।
- यह योजना पांच वर्षों तक चलेगी और 6-8 ग्रीनफील्ड रक्षा परीक्षण अवसंरचना सुविधाओं के गठन की संकल्पना करती है जिनकी रक्षा और वायुक्षेत्र से संबंधित उत्पादन के लिए जरूरत है।
- यह स्वदेशी रक्षा उत्पादन को प्रोत्साहित करेगी जिसकी वजह से सैन्य उपकरण के आयात घटेंगे और देश को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।

**वित्त और सहयोग**

- इस योजना का पांच वर्षों के लिए अत्याधुनिक परीक्षण अवसंरचना के सृजन के वास्ते रु. 400 करोड़ का आवंटन है।
- योजना के अंतर्गत परियोजनाओं को अनुदान के रूप में 75% तक सरकारी वित्त पोषण उपलब्ध कराया जाएगा।
- बाकी की बची हुई 25% परियोजना लागत को विशेष उद्देश्य वाहन (SPV) द्वारा वहन किया जाएगा जिसके घटक भारतीय निजी संस्थाएं और राज्य सरकारें होंगी।
- केवल भारत में पंजीकृत निजी संस्थाएं और राज्य सरकार की एजेंसियां ही योजना के लिए क्रियान्वयन एजेंसी बनने के लिए पात्र होंगी।
- **योजना के अंतर्गत SPVs को कंपनी कानून 2013 के तहत पंजीकृत किया जाएगा।**

## टोमैटो लीफ कर्ल नई दिल्ली वायरस

**(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)**

**खबरों में क्यों है?**

- राष्ट्रीय पादप जीनोमिक्स अनुसंधान संस्थान (NIPGR) ने हाल में टोमैटो लीफ कर्ल नई दिल्ली वायरस (ToLCNDV) के खिलाफ एक प्रतिरोधी टमाटर कृषि किस्म द्वारा प्रयोग की गई एक प्रभावी रक्षा रणनीति की खबर दी है।
- यह Sw5a (आर जीन) का उपयोग करती है जो वायरस के प्रसार को रोकने के लिए ToLCNDV की AC4 प्रोटीन (वायरल इफैक्टर) को पहचानती है।

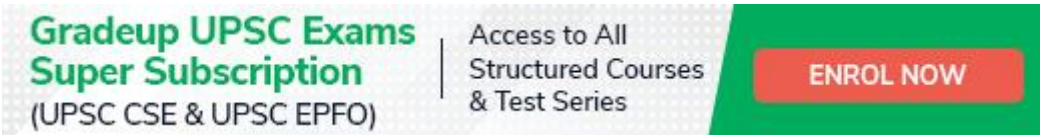

**टोमैटो लीफ कर्ल नई दिल्ली वायरस (ToLCNDV) के बारे में जानकारी**

- यह एक द्विपक्षीय बिगोमोवायरस प्रजाति है (वंश बिगोमोवायरस, परिवार जैमिनीविरिडेई) जिसके एकक एक चक्रीय और दृढ़ तरीके से व्हाइटफ्लाई बेमिसिया टाबासी द्वारा प्रकृति में संप्रेषित होते हैं।
- टोमैटो लीफ कर्ल नई दिल्ली वायरस (ToLCNDV) संक्रमण **विश्व भर में टमाटर की उपज का गंभीर नुकसान करते हैं।**

**वितरण**

- यह उत्तरी भारत में ज्यादा पाया जाता है।
- ToLCNDV विशेष रूप से टमाटर उत्पादन में एक महत्वपूर्ण बाधा है, क्योंकि यह भारतीय उपमहाद्वीप में टमाटर को प्रभावित करने वाला सबसे प्रभावी और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण रोग है।
- **ToLCNDV** की महामारी हाल के समय तक एशियाई देशों तक सीमित थी**,** जिसमें रिपोर्ट किए गए एकक मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में भारत**,** पाकिस्तान और और बांग्लादेश में केंद्रित थे**,** लेकिन उन्हें दक्षिणपूर्व और पूर्वी एशिया में थाईलैंड**,** इंडोनेशिया और ताइवान में भी उपस्थित पाया गया था।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW